

six mantra of purification to be attached to the body

॥ ओं दह दह सर्वनरकगतिहेतुं हूं फट् ॥

ॐ नमः गायत्री

अजिपात्रादेवतालोक्य अनीयवा

निमायुसादृक्ष्टिवर्गीयमायस्त्रिवश्वमास्त्रायनायद्वज्जुर्मिनः

॥ ओं दह दह सर्वनरकगतिहेतुं हूं फट् ॥

ॐ नमः गायत्री

अजिपात्रादेवतालोक्य अनीयवा

निमायुसादृक्ष्टिवर्गीयमायस्त्रिवश्वमास्त्रायनायद्वज्जुर्मिनः

(for the two feet)

॥ ओं पच पच सर्वप्रेतगतिहेतुं हूं फट् ॥

ॐ नमः गायत्री

अजिपात्रादेवतालोक्य अनीयवा

निमायिण्यप्रक्ष्टिवर्गीयमायस्त्रिवश्वमास्त्रायनायद्वज्जुर्मिनः

(for the genitals)

॥ ओं मथ मथ सर्वतिर्यगतिहेतुं हूं फट् ॥

ॐ नमः गायत्री

अजिपात्रादेवतालोक्य अनीयवा

निमात्रास्त्रिवश्वमायस्त्रिवश्वमास्त्रायनायद्वज्जुर्मिनः

(for the navel)

॥ ओं नृ पारमितनखड़ग छिन्द छिन्द हं फट् ॥

ॐ नृ पारमितनखड़ग

छिन्द छिन्द हं फट्

नीपाम्बूद्धिवेष्टिस्त्रियोग्यायुर्क्षिणः

(for the heart)

॥ ओं सु पारमितनखड़ग छिन्द छिन्द हं फट् ॥

ॐ सु पारमितनखड़ग

छिन्द छिन्द हं फट्

नीपाज्ञाम्बूद्धिवेष्टिस्त्रियोग्यायुर्क्षिणः

(for the throat)

॥ ओं अ पारमितनखड़ग छिन्द छिन्द हं फट् ॥

ॐ अ पारमितनखड़ग

छिन्द छिन्द हं फट्

ज्ञानात्मिवेष्टिस्त्रियोग्यायुर्क्षिणः

(for the forehead)

NOTES:

These mantra are intended for use in conjunction with the Northern Treasures cremation text **Illuminating Sunshine**, available from Wandel-Verlag.de

Before cutting the printed paper into these seven mantra slips, the name of the deceased should be written in the space in the middle of each second line. The individual mantra slips should then be cut and applied to the body in the order given here — ascending from the feet to the head. If the mantra are to be placed inside the coffin lid, and not attached directly to the body, only one slip of paper will be required to serve both feet.

ॐ मणिपञ्चे हं ह्लीः